डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2026-28

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सांसा

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

पेज 07

वर्ष-11, अंक-07, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 24 जून 2026

सार-समाचार

उद्धव के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना के 6 सांसद सोमवार को एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए। बागी सांसदों ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ उनके नंदनवन बंगले पर बैठक की। इसके बाद बागी सांसदों ने शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। बागी सांसदों में संजय देशमुख, नागेश पाटिल अष्टीकर, संजय जाधव, भाऊसाहेब वाकचौरे, संजय दीना पाटिल और ओमप्रकाश राजे निंबालकर शामिल हैं। इधर, उद्धव ठाकरे ने मुंबई में अपने विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के साथ बैठक की, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा हुई।

उद्धव-पवार-कांग्रेस का पत्ता साफ

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस-उद्धव ठाकरे और शरद पवार की पार्टी का खाता नहीं खुला जबकि भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति ने क्लीन स्वीप करने में कामयाब रही। 17 एमएलसी सीटों पर हुए चुनाव में 16 सीटें भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी जीतने में सफल रही है और एक सीट भाजपा के बागी उम्मीदवार ने जीती है। विधान परिषद (एमएलसी) की कुल 17 सीटों में से 6 सीटों पर उम्मीदवारों पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके हैं जबकि बाकी 11 सीटों पर नतीजे सोमवार को आए हैं। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में सांगली-सातारा, नागपुर, भंडारा गोंदिया, अमरावती और धाराशिव में भाजपा जीतने में सफल रही है।

चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान

वाराणसी। श्रीराम मंदिर निर्माण से जुड़े कथित चंदा घोटाले और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों के विरोध में वाराणसी के समाजसेवी रघुकुल यथार्थ शिवांशु ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कथित चंदा चोरों का नाले में प्रतीकात्मक पिंडदान कर भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। इस मौके पर रघुकुल यथार्थ ने कहा कि भगवान श्रीराम करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास के केंद्र हैं। इसके बाद यदि मंदिर निर्माण अथवा उससे जुड़े किसी भी कार्य में वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं, तब उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने राम मंदिर निर्माण के लिए अपनी श्रद्धा और विश्वास के साथ दान दिया है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि दान की प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ किया जाए।

नीट री-एग्जाम में खुलासा: अभ्यर्थी के अंडरगारमेंट्स में मिला सिम कार्ड और पिछला पेपर

वाराणसी। वाराणसी में आयोजित री-नीट परीक्षा के दौरान सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ अभ्यर्थी के अंडरगारमेंट्स में छिपा हुआ सिम कार्ड और पिछले साल का नीट पेपर मिला है। यह घटना हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र पर हुई, जहाँ देशभर से 22 लाख से अधिक उम्मीदवार दोबारा आयोजित परीक्षा में शामिल हुए थे। कड़ी सुरक्षा जांच के बावजूद, एक अभ्यर्थी की संदिग्ध गतिविधियों ने सुरक्षा कर्मियों का ध्यान खींचा, जिसके बाद उसकी गहन तलाशी ली गई। सुरक्षा जांच के दौरान, पुलिसकर्मियों को अभ्यर्थी के अंडरगारमेंट्स से एक सिम कार्ड और नीट का पिछले साल का प्रश्न पत्र मिला।

कोचिंग में आग, 15 छात्रों की मौत

मैंने खुद अपनी आंखों से 14 शव देखे हैं, बताते-बताते रो पड़े उपमुख्यमंत्री

राष्ट्रपति दौपद्री मुर्मु, पीएम मोदी और राहुल गांधी ने दुख जाहिर किया

आग लगते ही कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्रों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार दोपहर एक निजी कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी तेजी से फैली कि जान बचाने के लिए कई छात्रों को ऊपरी मंजिलों से कूदना पड़ा। सात से आठ लोगों के घायल होने और 15 छात्रों की मौत होने की सूचना है। यह हादसा सरकारी सिस्टम की लापरवाही का एक और नमूना है। जिस बिल्डिंग में कोचिंग सेंटर चल रहा था वह बिना फायर एनओसी की बनी है। आग लगते ही कोचिंग सेंटर में मौजूद छात्रों के बीच भगदड़ की स्थिति बन गई। कई छात्रों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनी से बाहर निकलने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों ने भी राहत कार्य में सहयोग करते हुए छात्रों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया। पीछे की दीवार तोडकर छात्रों को निकाला गया। अग्निकांड की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने तय कार्यक्रमों को बीच में छोडकर अलीगढ़ से तुरंत घटना स्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। उन्होंने कहा है कि दोषियों के खिलाफ बेहद सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। उनसे पहले घटना स्थल पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी पहुंच गए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एसीएस होम संजय प्रसाद डीजीपी राजीव कृष्णा के अलावा डीएम और दूसरे पुलिस अधिकारी मौके पर बचाव और राहत कार्य में जुटे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दोपहर के समय अचानक इमारत से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरे इलाके में हडकंप मच गया।

घायलों को केजेएमयू ट्रॉमा सेंटर भेजा गया

रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान बाहर निकाले गए कई लोग घायल अवस्था में मिले। चार घायलों को तत्काल किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजेएमयू) ट्रॉमा सेंटर भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पताल प्रशासन ने घायलों के उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की है। डॉक्टरों की निगरानी में सभी घायलों का उपचार किया जा रहा है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

दीवार तोडकर चलाया गया रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसा इतना भयावह था कि मौके पर मौजूद लोग भी भावुक हो गए। कई बच्चों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान आसपास के लोगों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर छात्रों को सुरक्षित निकालने का प्रयास किया। बगल के मकान की छत से कोचिंग सेंटर की दीवार तोडकर अंदर फंसे लोगों तक पहुंचने की कोशिश की गई। मौके पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि घटना के वक्त कई बच्चे कोचिंग सेंटर के अंदर थे। आग लगी तो बच्चे नीचे कूदने लगे। घटनास्थल पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के बाद पूरी बिल्डिंग घने धुएं से भर गई थी, जिसके कारण अंदर फंसे लोगों तक पहुंचना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया। रेस्क्यू टीम को कई जगहों पर दीवार काटकर अंदर प्रवेश करना पड़ा। फायर ब्रिगेड कर्मियों, एनडीआरएफ और पुलिस की संयुक्त टीमों ने बिल्डिंग के भीतर फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए विशेष अभियान चलाया।

गंभीर हालत में निकाले गए कई लोग

बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में इमारत से बाहर निकाला गया और एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसके शरीर में कोई हरकत दिखाई नहीं दे रही थी। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति को लाल रंग के गीले कंबल में लपेटकर स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। बचाव दल ने तीसरे व्यक्ति को भी स्ट्रेचर पर बाहर निकालकर अस्पताल के लिए रवाना किया। हालांकि प्रशासन ने अभी तक इन लोगों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की है।

एंबुलेंस कम पड़ीं, डिप्टी सीएम पाठक रो पड़े

घटनास्थल पर मृतकों और घायलों के लिए एम्बुलेंस कम पड़ गई थीं। मौके पर मौजूद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक इस मंजर को देखकर रो पड़े। उन्होंने कहा- मैंने अपनी आंखों के सामने लाशें निकलती देखी हैं। सीएम योगी घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद ट्रॉमा सेंटर जाएंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली से लखनऊ आ रहे हैं। आग लगने पर ऑटोमैटिक लॉक नहीं खुला हादसे में सुखमणि (23) की मौत हो हुई है। उनके दोस्त यश ने बताया- सुखमणि 3ष्ठ एनीमेशन के ऑफिस में चार साल से नौकरी कर रहे थे। ऑफिस में करीब 40 लोग काम करते हैं।

राम मंदिर चढ़ावे चोरी- प्राइवेट कर्मचारियों से गिनवाए जा रहे थे नोट

लखनऊ। राम मंदिर चढ़ावे चोरी मामले की एसआईटी जांच कर रही है। इसी बीच एक बड़ी जानकारी सामने आई है। एसआईटी को हर स्तर पर घोर लापरवाही मिली है। राम मंदिर ट्रस्ट की रकम में बैंकिंग का काम देख रही एसबीआई का ही नोट अलग कराने/गड्डी बनवाने और गिनवाने का काम था। एसबीआई निजी सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारियों को ठेके पर लेकर नोट गिनवाती थी। जानकारी के अनुसार एसबीआई ने वाराणसी की निजी सिक्योरिटी एजेंसी को ठेका दिया था। निजी सिक्योरिटी एजेंसी ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े लोगों की सिफारिश पर अयोध्या के ही लडकों

को नोट गिनवाने के काम में रख दिया था। परिचित की सिफारिश पर ही नौकरी मिलने की प्रथा पर अनुकल्प मिश्रा ने अपने साले लवकुश मिश्रा को राम मंदिर ट्रस्ट में नौकरी पर लगवा दिया था। ड्यूटी पर आने-जाने के दौरान चेकिंग में भी लापरवाही सामने आई है। कौन क्या लेकर आ रहा क्या लेकर जा रहा, कोई जांच नहीं होती थी। घरेलू कपड़ों में ही कर्मचारी राम मंदिर ट्रस्ट के कमरे में बैठकर नोट गिनने लगते थे।

ड्रेस कोड का भी नहीं होता था पालन

सभी के लिए ड्रेस कोड बनाया गया था और एक ड्रेस भी दी गई थी। लेकिन पहनता कोई नहीं था। एसआईटी की पड़ताल में मंदिर परिसर से दान पेटी ट्रस्ट के कमरे में ले जाने से लेकर बैंक में नोट जमा होने तक हर स्तर पर लापरवाही सामने आई है। इधर अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावे और दान राशि के कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं की सीबीआई जांच और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने की मांग को लेकर एक जनहित याचिका दायर की गई है। मामला कोर्ट नंबर-2 में सूचीबद्ध किया गया है। याचिकाकर्ता पक्ष के अधिवक्ता मोहित अशोक शर्मा ने बताया कि मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है और खंडपीठ के समक्ष विशेष उल्लेख (मेंशनिंग) कर शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया जाएगा।

संपादकीय

विदेशों ने ठुकराया भारतीय खाना

जब जापान भारतीय आमों की खेप लौटा देता है, सीमा पर नेपाल ट्रकों को रोक देता है, चीन भारतीय चावल पर सवाल उठाता है और यूरोपीय संघ बार-बार भारतीय खाद्य उत्पादों में खतरनाक अवशेषों की मौजूदगी की चेतावनी देता है, तब यह मान लेना भूल होगी कि समस्या केवल निर्यात से जुड़े किसी पहलू की है। असल दिक्कत हमारी थाली, हमारे खेत, हमारे घर और हमारी नियामक व्यवस्था से जुड़ी है। दुनिया भारतीय खाद्य उत्पादों को खारिज कर रही है, तो उसके लिए विभिन्न देशों के खान-पान से जुड़े नियम जिम्मेदार हैं। ये घटनाएं साबित करती हैं कि विकसित देशों से लेकर नेपाल जैसे अपेक्षाकृत गरीब देश की सरकार को भी अपने नागरिकों की सेहत की चिंता है। यह सवाल हमारे लिए ज्यादा बड़ा होना चाहिए कि क्या हम खुद अपने भोजन और परिवेश की सुरक्षा को लेकर गंभीर हैं? भारत कृषि प्रधान देश है। हम इस पर गर्व भी करते हैं। अरसे से दुनिया भर के बाजारों और घरों में अपनी पैठ बना चुके भारतीय मसाले, चावल, चाय, फल और सब्जियां केवल व्यापारिक वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा रही हैं। सदियों पहले भारतीय मसालों ने यूरोपीय देशों को आकर्षित किया था। इस सांस्कृतिक पहचान का तकाजा था कि हमारे आम को फलों का राजा कहा गया और बासमती ने विश्व बाजार में अलग पहचान बनाई, लेकिन आज वही गुणवत्ता के सवालों से घिरे दिखाई दे रहे हैं। हर बार जब ऐसा कोई मामला सामने आता है, तो बहस दो ध्रुवों में बंट जाती है। एक पक्ष कहता है कि दूसरे देश भारतीय उत्पादों को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं। दूसरा पक्ष इसे भारतीय व्यवस्था की विफलता बताता है। सच्चाई शायद इन दोनों के बीच कहीं है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिस्पर्धा और राजनीति दोनों होती हैं, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि यदि हमारे उत्पाद लगातार विभिन्न देशों की प्रयोगशालाओं में असफल पाए जा रहे हैं, तो समस्या की गंभीर जांच आवश्यक है। कई बार जिन रसायनों की मौजूदगी विदेशी एजेंसियां बताती हैं, वे ऐसे पदार्थ होते हैं जिन्हें दुनिया के अनेक देशों में खतरनाक माना जा चुका है। क्लोरपाइरीफॉस जैसे कीटनाशकों को कई देशों ने प्रतिबंधित कर दिया है। एथिलीन ऑक्साइड को कैंसरकारी माना जाता है। सीसा, पारा और कैडमियम जैसी भारी धातुएं मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा हैं। यदि इनकी उपस्थिति हमारे खाद्य उत्पादों में बार-बार सामने आ रही है, तो यह केवल व्यापारिक नुकसान का विषय नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी सवाल है। भारत में खाद्य सुरक्षा की चर्चा अक्सर तभी तेज होती है, जब कोई देश आपत्ति उठाता है। तब जांच समितियां बनती हैं, नमूने लिए जाते हैं और बयान जारी होते हैं। मगर यह पूछने वाला कोई नहीं होता कि यदि वही उत्पाद भारतीय बाजार में बिक रहे थे, तो उनके बारे में पहले क्यों नहीं सोचा गया?

अल-नीनो से उभरी चुनौतियों को समझना जरूरी है

ऋतुपर्ण दवे

पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म होने पर अभी अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। इससे कई देशों की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ रहा है। पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। भारत में भी इसका असर साफ दिख रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों ने जहां पहले ही चिंता बढ़ा रखी है, वहीं अब एक नई प्राकृतिक आपदा मुंह बाए खड़ी है।

यह है अल-नीनो, जिसने प्रशांत महासागर में दस्तक दे दी है। इसका असर देश भर में मानसून पर पड़ना तय माना जा रहा है। इतना ही नहीं अल-नीनो का प्रभाव मानसून के बाद भी जारी रहने की आशंका ने चिंता बढ़ा दी है। इसके सितंबर तक बने रहने की स्थिति ने कृषि क्षेत्र और पेयजल की उपलब्धता पर गंभीर संकट के संकेत दे दिए हैं। अमेरिकी मौसम एजंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमास्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' के अनुसार, यह जून से जुलाई के दौरान दस्तक देने वाला है। इस बार प्रशांत महासागर का तापमान मई में ही सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा हो गया। भू-मध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज होना बताता है कि आगे यह स्थिति और बिगड़ सकती है। भारतीय मौसम विभाग भी मानता है कि अल-नीनो का सीधा असर मानसून में होने वाली बारिश पर पड़ेगा यानी बारिश कम होगी। जाहिर है कि देश में सूखे की संभावना बढ़ेगी। सामान्य हालात में प्रशांत महासागर क्षेत्र में चलने वाली तेज हवाएं गर्म पानी को एशिया और आस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं, जिससे भारत में अच्छी वर्षा होती है। मगर जब अल-नीनो का प्रभाव रहता है, तो ये हवाएं कमजोर हो जाती हैं, जिससे मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में पेरू के तट के पास का पानी असामान्य रूप से गर्म हो जाता है। इससे वैश्विक बारिश चक्र में भारी उथल-पुथल होती है। समुद्र की इस गर्मी को वायुमंडल में फैलने में थोड़ा समय लगता है जिसका प्रभाव दूसरे वर्ष के तापमान में वृद्धि के रूप में सामने आता है।

अल-नीनो एक प्राकृतिक और मौसमी जलवायु चक्र है। इससे मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक हो जाता है। अमूमन यह घटना हर दो साल में घटित होती है और इसका असर दुनिया भर के मौसम, तापमान और बारिश पर पड़ता है। भारत में कम वर्षा होने से सूखे जैसे हालात फिर बन सकते हैं। इस बार इसे सुपर अल-नीनो कहा जा रहा है। इसका असर इस साल के आखिर तक रहेगा।

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि जुलाई, अगस्त और सितंबर के प्रारंभ में भले ही इसका प्रभाव कम दिखे, लेकिन सितंबर जाते-जाते इसके ज्यादा शक्तिशाली होने की संभावना है। अल-नीनो शब्द स्पेनी भाषा का है। दक्षिण अमेरिकी मछुआरों का ध्यान सबसे पहले 1600 के दशक में, पेरू में उस घटना पर गया, जिसमें उन्होंने पाया कि प्रशांत महासागर में जल का तापमान आम तौर पर दिसंबर के आसपास कई बार बढ़ जाता है, जो कि क्रिसमस का समय होता है। इसी कारण इसे 'अल नीनो डी नविदाद' नाम दिया गया। इसे बाद में 'अल-नीनो' कहा जाने लगा। इसी तरह एक घटना ला-नीनो भी होती है, जो इसके उलट होती है। ये अल-नीनो चक्र की विपरीत अवस्था होती हैं। ला-नीनो की शीत अवस्था होती है, यह पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागरीय क्षेत्र के असामान्य शीतलन को दर्शाता है। फिलहाल भारत में अल-नीनो को लेकर चिंता बढ़ रही है। इसने पूरे यूरोप को बुरी तरह से प्रभावित किया और अब भारत पर इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना है।

इससे पैदा होने वाली खतरनाक स्थिति से इनकार नहीं किया जा सकता। इससे निपटने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। भारतीय उपमहाद्वीप में ज्यादातर आबादी अब भी खेती-किसानी पर निर्भर है, जो मानसून के लिए टकटकी लगाए रहती है। भले ही सिंचाई के कितने साधन हो गए हों, लेकिन वर्षा जल और मानसून का अपना महत्त्व है। भारतीय मौसम विभाग वर्ष 2026 में अल-नीनो की वजह से मानसून के कमजोर रहने की आशंका पहले ही जता चुका है। आर्थिक जगत में भी विशेषज्ञ यह मानते हैं कि इससे ग्रामीण अंचलों में सूखे जैसी स्थिति बन सकती है। यदि इस बार भी ऐसा हुआ, तो यह भारतीय अर्थव्यवस्था को तो प्रभावित करेगा ही, साथ ही किसानों के लिए भी मुश्किलें बढ़ जाएंगी। निश्चित रूप से वर्षा कम होने से धान, दाल, मक्का और मूंगफली जैसी खरीफ फसलों की जहां बुआई प्रभावित होगी, वहीं उपज पर भी असर पड़ेगा। हाल में आई मौसम संबंधी रपट ने चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि जून से अगस्त के बीच अल-नीनो की घटना अस्सी फीसद होने की संभावना है। जबकि कम से कम नवंबर तक इसके बने रहने की संभावना नब्बे फीसद से भी ज्यादा है। थोड़ी राहत की बात यह है कि भारत में जलाशयों का जलस्तर सामान्य भंडारण के आसपास है और देश भर में सब्जियों की आवक के आंकड़े भी संतोषजनक हैं। मगर यह मौजूदा स्थिति है, भविष्य में ऐसी स्थिति बनी रहगी या नहीं, इस बारे में अभी से कुछ कह पाना मुश्किल है। निश्चित रूप से खाने-पीने की चीजों और ईंधन की कीमतों में अचानक और बार-बार बदलावों से महंगाई बढ़ेगी और इसका असर आम आदमी पर ही पड़ेगा।

सरकार को अल-नीनो जैसी प्राकृतिक घटनाओं से निपटने के लिए व्यापक एवं स्थायी रणनीति बननी चाहिए। इसके लिए वर्षा जल संग्रह को न केवल प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, बल्कि इसे अनिवार्य भी किया जाना चाहिए। यदि घर-घर वर्षा जल संचय यानी बारिश के पानी को बर्बाद होने से बचाने और उसे भविष्य के उपयोग के लिए जमा किया जाने लगे, तो काफी हद तक पानी की समस्या से निपटा जा सकता है। जब हमारे अपने कुएं, तालाब, पोखर और ट्यूबवेल भरे होंगे, तो कुछ वर्षों के अंतर से आने वाले अल-नीनो के असर से आसानी से निपटा जा सकता है। केवल सरकार पर निर्भर रहने से कुछ ज्यादा हासिल होने वाला नहीं, समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। देश में गर्मी के दस्तक देते ही विभिन्न राज्यों में पानी की किल्लत की तस्वीरें सामने आने लगती है। हर साल तो अल-नीनो आता नहीं, लेकिन भूजल संकट जरूर रहता है। ऐसे में सरकार को इस बाबत कानून बना कर घर-घर वर्षा जल संचय को अनिवार्य किए जाने जैसे कदम उठाने होंगे। बारिश कम होने से फसलों की बुआई और पैदावार पर सीधा असर पड़ता है। इससे धान, दाल, सोयाबीन, कपास और अन्य खरीफ की फसलें सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं। वैसे भी बारिश की कमी से खेतों में नमी कम हो जाती है और इससे फसलें सही तरीके से विकसित नहीं हो पाती हैं।

... जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं होता

आज के समय में जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि लोग लगभग हर बात को लाभ और हानि के तराजू में तौलने लगे हैं। कोई काम करने से पहले मन में पहला प्रश्न उठता है- 'इससे मुझे क्या फायदा होगा?' यदि लाभ दिखाई देता है, तो हम तुरंत आगे बढ़ते हैं और यदि लाभ स्पष्ट न हो तो कई बार हम उस काम से दूरी बना लेते हैं। धीरे-धीरे यह सोच हमारे जीवन का हिस्सा बनती जा रही है। मगर क्या सच में जीवन की हर बात को लाभ-हानि से मापा जा सकता है? क्या रिश्ते, भावनाएं और मानवीय संवेदनाएं भी किसी व्यापारिक हिसाब-किताब का हिस्सा हो सकती हैं? यदि हम थोड़ा गहराई से सोचें, तो समझ में आता है कि जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही है, जहां कोई गणना या माप-तौल नहीं होता है। सबसे बड़ा उदाहरण माता-पिता का प्रेम है। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं।

माता-पिता ने अपने बच्चे के लिए कितनी नींद खोई, कितनी बार अपनी इच्छाएं दबाईं या कितनी मेहनत की, इसका कोई हिसाब वे नहीं रखते। वे कभी यह नहीं सोचते कि बच्चे को पालने-पोसने में कितना निवेश हुआ और उससे उन्हें क्या लाभ मिलेगा। उनके लिए बच्चे की खुशी ही सबसे बड़ी कमाई होती है। वास्तव में माता-पिता हमें यह सिखाते हैं कि सच्चा प्रेम वह है, जिसमें स्वार्थ और लाभ-हानि का कोई स्थान नहीं होता। मगर जब हम अपनी उम्मीदों के आधार पर किसी से जुड़े होते हैं और सामने वाला व्यक्ति उस पर खरा नहीं उतरता, तो गहरी ठेस पहुंचती है। इसी तरह शिक्षक और छात्र का संबंध भी केवल औपचारिक नहीं होता। एक सच्चा शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करके अपना कर्तव्य समाप्त नहीं मानता। वह कमजोर विद्यार्थी को अलग से समझाता है, उसे प्रेरित करता है और उसके भीतर आत्मविश्वास जगाने की कोशिश करता है। कई बार शिक्षक कक्षा के बाद भी समय देकर छात्रों की शंकाएं दूर करते हैं, उनके जीवन से जुड़े प्रश्नों पर मार्गदर्शन देते हैं। उन्हें इसके बदले कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलता, फिर भी वे ऐसा करते हैं, क्योंकि उनके लिए छात्र की प्रगति और सफलता ही सबसे बड़ा संतोष होती है। दोस्ती भी ऐसी ही भावना है, जिसे किसी गणित से नहीं मापा जा सकता। सच्चा मित्र कठिन समय में साथ खड़ा रहता है। वह यह नहीं सोचता कि इससे उसे क्या मिलेगा। मान लीजिए, आपका कोई मित्र अचानक रात में मदद के लिए कहे- उसे अस्पताल जाना हो या किसी समस्या में सहारा चाहिए। उस समय यदि हम लाभ-हानि सोचने लगें, तो मित्रता का मूल्य ही समाप्त हो जाएगा। सच्ची दोस्ती वही होती है, जिसमें निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाया जाए। दैनिक जीवन में भी हम कई ऐसे छोटे-छोटे काम करते हैं, जिनका कोई आर्थिक लाभ नहीं होता, फिर भी वे हमारे मन को सच्ची खुशी देते हैं। जैसे बस में किसी बुजुर्ग या महिला को अपनी सीट दे देना, किसी अनजान व्यक्ति को रास्ता समझा देना, किसी परेशान मित्र की बात धैर्य से सुन लेना या सड़क पर पड़े किसी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में मदद करना। इन कार्यों से हमें कोई मुनाफा नहीं मिलता, लेकिन संतोष और खुशी जरूर मिलती है। पंचतंत्र की कहानियों में भी इस बात को सुंदर ढंग से समझाया गया है। एक प्रसिद्ध कथा में कबूतरों का एक समूह शिकारी के जाल में फंस जाता है। वे मिलकर जाल सहित उड़ जाते हैं और अपने मित्र चूहे के पास पहुंचते हैं। चूहा बिना किसी स्वार्थ के जाल को काटकर उन्हें मुक्त कर देता है। उसने यह नहीं सोचा कि इससे उसे क्या फायदा होगा।

हरदा विधानसभा क्षेत्र के 11 ग्रामों फायर फाइटर पानी टैंकरों का वितरण

हरदा। शब्द सारांश। भीषण गर्मी एवं पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा विधायक निधि वर्ष 2026-27 की राशि से हरदा विधानसभा क्षेत्र के 11 ग्रामों मुरलीखेड़ा, बंदीमालौर, जयमलपुरा, भवरदीमाल, बारंगी, सांगवामाल, कालधड़, नीमखेड़ामाल, लोध्याखेड़ी, जामन्या, नगावामाल को फायर फाइटर पानी टैंकरों का वितरण किया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं आगजनी जैसी आकस्मिक घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण के लिए संसाधन उपलब्ध कराना है। हरदा विधायक डॉ. दोगने ने कहा कि गर्मी के मौसम में कई ग्रामों में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिससे ग्रामीणजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन फायर फाइटर पानी टैंकरों के माध्यम से जरूरतमंद क्षेत्रों में पानी पहुंचाने का कार्य किया जाएगा, जिससे ग्रामीणजनों को राहत मिलेगी। यह फायर फाइटर टैंकर केवल पेयजल आपूर्ति के लिए ही नहीं, बल्कि ग्रामों में आगजनी की घटनाओं के दौरान तत्काल उपयोग में लाकर आग पर काबू पाने में भी सहायक सिद्ध होंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव व उपस्थित ग्रामिणजनों द्वारा इस पहल के लिए हरदा विधायक डॉ. दोगने का पुष्पमाला पहनाकर व मिठाई खिलाकर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे गर्मी के मौसम में पेयजल संकट से राहत मिलने के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होगी। कार्यक्रम के दौरान विधायक प्रतिनिधि दशरथ पटेल, जनपद उपाध्यक्ष गौरीशंकर शर्मा, राधेश्याम सिरोही, बिजू जाट, अनोखीलाल गौर, राघवेन्द्र पारे, शैतान सिंह राजपूत, उमाशंकर गौर, बचत सिंह पंवार, धनसिंह अमकरे, भूपेन्द्र राजपूत, ओमप्रकाश राजपूत, अशोक, रामनाथ ऊईके, अनिल कुमार, जयनारायण, हरिप्रसाद काजवे सहित संबंधित ग्रामों के सरपंच सचिव व अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 73वें बलिदान दिवस पर वार्ड क्र. 18 के श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान में प्रतिमा पर एवं भाजपा कार्यालय पर श्रद्धासुमन अर्पित

हरदा। शब्द सारांश। भारतीय जनता पार्टी के पित्र पुरुष डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष राजेश सिंह वर्मा ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जो सपना देखा और जिसके लिए बलिदान दिया, आज वो सार्थक हुआ है। पीएम मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटना डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने जिस सोच और भावना से जनसंघ की स्थापना की थी, आज भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ता उसी भावना के साथ भारत को आगे बढ़ाने में लगे हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जिला महामंत्री बसंत सिंह राजपूत, राजेश गोदारा , कार्यक्रम के संयोजक मनीष निशोद , मंडल अध्यक्ष नितेश बादर , महामंत्री पुरुषोत्तम झिझोरे, वरिष्ठ नेता देवी सिंह सांखला , मनसुख लोहाना , उदय सिंह चौहान सहित पार्षद, पार्टी के जेष्ठ श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

28 जून 2026 को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का होगा शुभारंभ

हरदा। शब्द सारांश। जिले में 28 जून से 30 जून तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत 5 वर्ष आयु वर्ग तक के जिले के 69024 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान को सफल बनाने हेतु जिले में 674 पोलियो बूथ बनाये गये हैं। अभियान के प्रथम दिवस में सभी बूथों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय एवं सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री अशोक डहेरिया, एसडीएम खिरकिया सुश्री शिवांगी बघेल सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम पचौला निवासी गोपाल प्रसाद ने गल्ला पर्ची में बीपीएल क्रमांक दर्ज कराने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर जिला आपूर्ति अधिकारी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में हरदा निवासी आयुष शुक्ला ने ग्राम पचौला में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में शिकायत की, जिस पर वनमण्डलाधिकारी हरदा को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। ग्राम गोंदागांवखुर्द के ग्रामीणों ने आवेदन देकर गांव में व्याप्त बंदरों के आतंक के संबंध में शिकायत की, जिस पर वन मण्डलाधिकारी हरदा को ग्रामीणों की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम गेंदाढाना निवासी अमरसिंह व बिच्छापुर निवासी श्रीमती कोमलबाई ने खेती के लिये खाद नहीं मिलने के संबंध में शिकायत की, जिस पर उप संचालक कृषि को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। दतिया निवासी कु. नैनसी सोलंकी ने उत्कृष्ट विद्यालय में कक्षा 9 वीं में प्रवेश प्राप्त करने हेतु आवेदन दिया, जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी को छात्रा की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने जिले में उर्वरक की स्थिति की समीक्षा की

शब्द सारांश | हरदा

कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिले में उर्वरक की उपलब्धता एवं वितरण व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोई भी पात्र किसान उर्वरक लेने से वंचित न रहे। उन्होने कहा कि खासतौर से जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में उर्वरक वितरण व्यवस्था पर विभागीय अधिकारियों द्वारा विशेष ध्यान दिया जाए। इस दौरान कृषि, सहकारिता, मार्केटिंग फेडरेशन विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

भोपाल में टिमरनी का जलवा, 14 पदक जीतकर ऑल ओवर चैंपियनशिप ट्रॉफी पर किया कब्जा

शब्द सारांश | हरदा

टिमरनी। भोपाल के बैडमिंटन हॉल में 20 एवं 21 जून को आयोजित सेंटर इंडिया कराटे चैंपियनशिप 2026 में टिमरनी कराटे क्लास के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 स्वर्ण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक सहित कुल 14 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टीम को ऑल ओवर चैंपियनशिप ट्रॉफी से भी सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से टिमरनी एवं हरदा जिले का नाम प्रदेश स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। प्रतियोगिता में आरती सांख्ले (-60 किग्रा), अर्पण सांख्ले (-60 किग्रा), अनिकेत भोरे (-45 किग्रा), पर्थ (-30 किग्रा), लाविका भिलाला (-20 किग्रा), वैष्णवी रोहरे (-30 किग्रा), टिया खरे (-40 किग्रा), कृतिका भोरे (-45 किग्रा), साक्षी जिंजोरे (-35 किग्रा) एवं मोहित नगर (-35 किग्रा) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। सानिध्य तिवारी (-25 किग्रा) ने कुमिते में स्वर्ण एवं काता में रजत पदक जीतकर विशेष उपलब्धि हासिल की। अक्षत उमरिया (-35 किग्रा) ने रजत पदक प्राप्त किया, जबकि राघव (-35 किग्रा), अजय (-50 किग्रा) एवं रानी सनोरिया (-45 किग्रा) ने कांस्य पदक अपने नाम किए। कराटे प्रशिक्षक रितेश तिवारी ने बताया कि खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में मोना खरे एवं अर्पण सांख्ले का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने खिलाड़ियों का लगातार मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए टिमरनी को ऑल ओवर चैंपियनशिप ट्रॉफी दिलाई है। प्रतियोगिता से टीम के टिमरनी पहुंचने पर खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने मिठाई बांटकर, आतिशबाजी कर एवं ढोल-ताशों के साथ विजय जुलूस निकालकर खुशी का इजहार किया। नगर में जगह-जगह खिलाड़ियों का स्वागत कर उन्हें बधाई दी गई। इस अवसर पर तिनका सामाजिक संस्था की सचिव मना मंडलेकर ने सभी खिलाड़ियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों एवं सहयोगी गणों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने खिलाड़ियों के माता-पिता का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया, जिनके सहयोग और विश्वास से बच्चे खेलों में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही संस्था से जुड़े दानदाताओं, शुभचिंतकों एवं मार्गदर्शकों का भी आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर और प्रोत्साहन मिल रहा है। खिलाड़ियों की इस सफलता पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, खेल प्रेमियों एवं नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी टीम को शुभकामनाएं दी हैं तथा भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की है।

भैंसदेही न्यायालय परिसर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लगा विशेष शिविर

बैतूल भैंसदेही। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बैतूल के निर्देशानुसार तहसील न्यायालय परिसर भैंसदेही में विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, तहसीलदार, न्यायालय के अधिकारी-कर्मचारी, अधिवक्ता एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। योग शिविर के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षकों ने योग की विभिन्न क्रियाओं का प्रदर्शन करते हुए उनके स्वास्थ्य संबंधी लाभों की विस्तृत जानकारी दी। उपस्थित लोगों को नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि योग भारत की प्राचीन एवं गौरवशाली परंपरा है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। योग के नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। योग शिविर के समापन पर सभी उपस्थितजनों ने स्वस्थ, निरोग और संतुलित जीवन के लिए नियमित योग करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में न्यायालय एवं विधिक सेवा प्राधिकरण से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस कप्तान के दिशा निर्देशन में कोतवाली पुलिस की कार्रवाई

महिला की चाकू मारकर हत्या करने वाला हत्यारोपी 48 घंटों में गिरफ्तार

नर्मदापुरम। जिले के पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के कुशल नेतृत्व में कोतवाली थाना टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने महिला की चाकू मारकर हत्या करने वाले हत्यारोपी को 48 घंटों के भीतर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है ।ज्ञात हो कि दिनांक 17 जून को पीड़िता आशा पति मांगीलाल यादव उम्र 36 साल के ऊपर चाकू से हमला कर आरोपी भाग गया था ।घायल महिला को गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

यहां पर जो पीड़िता की रिपोर्ट पर पीड़िता के लिव इन पार्टनर आरोपी गणपत चौरे पिता लखनलाल चौर निवासी ग्राम रैसलपुर हाल लाइफ स्टाइल कालोनी मालाखेड़ी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। उपचार के दौरान 18 जून को गंभीर घायल आशा यादव की मौत हो गई। इधर पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश के लिए आरोपी के पैतृक ग्राम रैसलपुर एवं आसपास रिश्तेदारों के यहाँ ग्राम पाँजरा, इटारसी ,व्यावरा,आँचलखेड़ा, मनवाड़ा एवं अन्य संभावित स्थानों पर दबिश दी। लेकिन आरोपी की कोई जानकारी नहीं मिली। 20 जून को आरोपी के बस स्टैंड नर्मदापुरम के आसपास छिपकर शहर के बाहर भागने की फिराक में होने की जानकारी प्राप्त हुई। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी गणपत चौरे को परिवहन विभाग के क्वार्टर के पास गुप्ता ग्राउण्ड से अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की गई ।आरोपी ने मृतिका के पेट में चाकू मारना स्वीकार किया। आरोपी की निशादेही पर आरोपी के किराये के कमरे लाइफ स्टाइल कालोनी नर्मदापुरम से अपराध में प्रयुक्त चाकू जब्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक गौरव सिंह बुन्देला, उप निरीक्षक वंशज श्रीवास्तव, उप निरीक्षक विशाल नागवे, प्रधान आरक्षक रितेश यदुवंशी,विनोद लिखितकर,आरक्षक पंकेश बघेला गजेंद्र डडोरे, अविनाशी हारोड़े,हरीश डिगरसे,आशीष राजपूत रोहन पवार, रामकुमार वर्मा, संदीप यदुवंशी एवं दीपेश सोलंकी (साइबर सेल) आदि का सराहनीय योगदान रहा।

वन विभाग में चल रहा जंगलराज

बीस बीस सालों से एक ही जगह पर टिके हैं कर्मचारी

एक के पास हैं कई चार्ज

मनोज मिश्र बैतूल। जिले के वन विभाग का तो शायद भगवान ही मालिक है। लगभग हर वन मण्डल और अन्य कार्यालय में कुछ बाबू अंगद के पैर के समान बीसों साल से जमे हुए हैं उनकी लगभग पूरी नौकरी एक ही जगह पर हो रही है।

ये उस कार्यालय के पूरक हैं इनके बिना कार्यालय अधूरा है। गहनता से पड़ताल करने पर पता चला है कि इनकी प्रतिभा को देखते हुए ही अधिकारी भी इनको हटाना नहीं चाहते क्योंकि ये काला पीला करने में माहिर हैं। कई अधिकारी आए और चले गए लेकिन ये जमे हुए हैं। स्थानान्तर के नोडल अधिकारी के खुद के कार्यालय में एक बाबू तीस साल टिके रहते हुए सेवानिवृत्त हो रहा है। वहीं कुछ बीस सालों से जमे हुए हैं। एक अनफिट ड्राईवर तो बीस सालों से बिना आदेश के बाबूगिरी कर रहा है तकनीकी कर्मचारी का वेतन ले रहा है ।

एक के पास कई शाखाओं का प्रभार: कई बाबू तो ऐसे हैं जिनके पास में कई शाखाओं का प्रभार है कहीं तो वर्ग तीन का बाबू भी सर्वशक्तिमान बना हुआ है स्टोर शाखा व्यय शाखा के साथ बड़े बाबू भी बने हुए हैं। ऐसा नहीं है कि इन कार्यालयों में कर्मचारियों की कमी है दरअसल दूसरे बाबुओं पर अधिकारी भरोसा नहीं कर पाते हैं कि उनकी कारगुजारी उजागर न हो जाए इसलिए कई बाबू बिना प्रभार के समय पास करते हैं कई ऑक्टोपस बने हुए हैं। जिनके साथ काम करने में अधिकारी असहज महसूस करते हैं उनका बाकायदा तीन साल का बाद प्रशासनिक आधार पर स्थानांतर कर देते हैं। इसके बाद भी ऐसा नहीं है कि विभाग में सब कुछ ठीक चल रहा हो एक समय में जिले में एक डी एफ ओ और सोलह रेंजर पूरा विभाग संभालते थे और आज मुख्य वन संरक्षक और कई डी एफ ओ होने के बाद भी सिर्फ कागजों पर जंगल बचे हैं।

लिस कप्तान की पहल 'उड़ान' ने पारधी समुदाय के बच्चों में बढाया आत्मविश्वास

नर्मदापुरम। जिले के पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा के दिशा निर्देशन में पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित 'उड़ान' पहल का 50 दिवसीय ग्रीष्मकालीन समर कैंप रक्षित केंद्र नर्मदापुरम में संपन्न हुआ। पुलिस कप्तान साई कृष्णा के मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई यह पहल पुलिस परिवार एवं पारधी समुदाय के बच्चों को शिक्षा,खेल और व्यक्तित्व विकास के माध्यम से समाज से जोड़ने का सार्थक प्रयास साबित हुई । 20 जून को रक्षित केन्द्र में आयोजित समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस महानिरीक्षक सामुदायिक पुलिसिंग विनीत कपूर,विशिष्ट अतिथि उप पुलिस महानिरीक्षक नर्मदापुरम रेंज वीरेंद्र कुमार सिंह एवं पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा उपस्थित रहे। लगभग 1:30 घंटे चले इस कार्यक्रम में बच्चों ने सामूहिक नृत्य, एकल नृत्य, नाटक, कराटे प्रदर्शन, पेंटिंग एवं इनडोर-आउटडोर खेलों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की सबसे प्रेरणादायक झलकी तब दिखी जब पारधी समुदाय के बच्चों ने अंग्रेजी में अपना परिचय देकर आत्मविश्वास का परिचय दिया।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक

फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज

डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)

पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर

कम्प्युटर से संबधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है

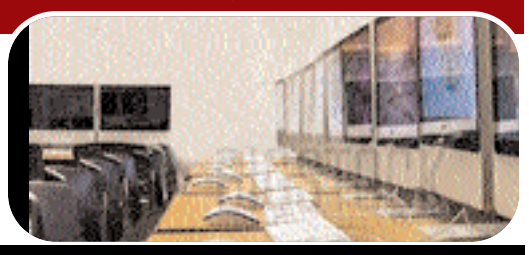

दीपक कुमार नेमा (संचालक)

पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी बलिदान दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

शब्द सारांश। भैंसदेही। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल भैंसदेही द्वारा स्थानीय सांस्कृतिक भवन में देश के महान राष्ट्रवादी चिंतक एवं जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा राष्ट्र निर्माण और अखंड भारत के लिए उनके अमूल्य योगदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग और समर्पण का प्रतीक रहा है। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए संघर्ष करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जो आज भी देशवासियों को प्रेरणा प्रदान करता है। उपस्थित जनों ने उनके आदर्शों पर चलने और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पूर्व जिला उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह किलेदार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष देवी सिंह ठाकुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलीप घोरे, एल्डरमैन सुरेश पाल, एल्डरमैन रवि कुबड़े, मंडल महामंत्री दिनेश कोसे, बाबूलाल राठौर, संजय तिवारी लक्ष्मीनारायण मालवीय सुनील गुरुव , डॉ. अभिषेक मिसर, आनंद राठौर, त्रिवेणी महाल, शैलेंद्र तिवारी, बबलू पंडाग्रे, अमीन कबारा, शंकर राय, भाजपा सह सोशल मीडिया प्रभारी अंकित राजूरकर सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठजन, ज्येष्ठ-श्रेष्ठ कार्यकर्ता एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाली की ओर बढ़ता गाजनपुर, सामूहिक प्रयास से बनीं 782 सीड बॉल

शब्द सारांश। नर्मदापुरम /सिवनीमालवा।पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार को लेकर ग्राम गाजनपुर में सामूहिक जनभागीदारी का प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के सेक्टर क्रमांक-4 मालापाट अंतर्गत ग्राम गाजनपुर में सीड बॉल निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कुल 782 सीड बॉल तैयार कीं।कार्यक्रम का आयोजन नवांकुर संस्था जीवनदायनी समाज सेवा समिति गाजनपुर के मार्गदर्शन में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति गाजन पुर द्वारा किया गया।इस दौरान संस्था अध्यक्ष सुनील सिंगोरिया,संयुक्त सचिव काजल रघुवंशी, सदस्य उमाशंकर यदुवंशी,पत्रकार सत्य नारायण साध, हरियाली सखी रजनी साध एवं रेखा सिंगोरिया सहित युवा, महिलाएं और बच्चों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।प्रतिभागियों ने मिलकर नीम, जामुन, आम, अर्जुन एवं कोसुम जैसे उपयोगी एवं पर्यावरण हितैषी वृक्षों के बीजों को मिट्टी में सुरक्षित कर सीड बॉल तैयार कीं। इन सीड बॉल को आगामी दिनों में बंजर भूमि, पहाड़ी क्षेत्रों तथा सड़क किनारे खाली स्थानों पर फैलाया जाएगा, जहां वर्षा के साथ बीज अंकुरित होकर हरियाली का नया संसार रचेंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार सीड बॉल तकनीक बीजों को अंकुरण तक सुरक्षित रखने का सरल एवं प्रभावी माध्यम है। मिट्टी का आवरण बीजों को पक्षियों, जानवरों एवं अन्य प्राकृतिक बाधाओं से बचाता है, जिससे पौधों के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।संस्था अध्यक्ष सुनील सिंगोरिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। वहीं हरियाली सखी रजनी साध ने कहा कि आज लगाए गए बीज कल विशाल वृक्ष बनकर गांव को छाया, स्वच्छ हवा और प्राकृतिक सौंदर्य प्रदान करेंगे।कार्यक्रम के अंत में समिति सदस्यों ने संकल्प लिया कि क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता एवं वृक्षारोपण आधारित कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे।

दो सगे भाइयों के परिवारों में मारपीट, किसान नेता रामनिवास बोले घर में घुसकर 7 लोगों ने मारपीट की कुल्हाड़ी से किया हमला, दोनों पक्षों पर काउंटर केस दर्ज

शब्द सारांश। सिराली। सोमवार को थाना क्षेत्र के ग्राम धनकार में 4.5 एकड़ कृषि भूमि को लेकर दो सगे भाइयों के परिवारों के बीच जनकर मारपीट हुई। इस दौरान कुल्हाड़ी लगने से भारतीय किसान मजदूर संघ के वरिष्ठ नेता रामनिवास खोरे के हाथ की एक अंगुली टूट गई। वहीं उनके सिर में चोट आई हुई है। मारपीट की घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। दोनों पक्षों के लोगों को चोटें आईं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक पक्ष रामनिवास खोरे ने बताया कि पुलिस के अनुसार फरियादी रामनिवास खोरे (58) ने मकड़ाई एक्सप्रेस को बताया कि पारिवारिक भूमि पर सहमति से 25 वर्षों से कब्जा है। सुरेश खोरे को पहले ही उसका हिस्सा दे दिया था। उन्होंने कहा कि सोमवार सुबह सुरेश खोरे और राजेश खोरे उनका लड़का और परिवार की अन्य 6 से 7 लोग उनके घर आए घर में घुसकर मारपीट की दौरान सुरेश ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे रामनिवास के सिर और हाथ की अंगुली में चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे उनके पुत्र सुशील खोरे और भतीजे राजकुमार के साथ भी मारपीट एवं झूमाझटकी की गई। जाते-जाते आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।रामनिवास खोरे ने आरोप लगाया कि पुलिस ने रहटगांव के भाजपा नेता के दवाब में हमारी नहीं सुनी। आरोपी पक्ष ने एक राय होकर घर में घुसकर मारपीट की है। जिसके फोटो हमारे पास है। पुलिस ने मामूली धाराएं लगाई है। वहीं दूसरे पक्ष के महेश प्रसाद खोरे (65) ने पुलिस को दी शिकायत में

बताया कि संबंधित 4.5 एकड़ भूमि उनके नाम दर्ज है जिस पर रामनिवास और जगदीश कई वर्षों से कब्जा किए हुए हैं। सोमवार को उनका पुत्र राजेश खोरे जमीन खाली करने की बात करने रामनिवास के घर गया था। आरोप है कि इस दौरान रामनिवास ने गाली-गलौज करते हुए झूमाझटकी शुरू कर दी। शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे महेश प्रसाद, उनके पुत्र सुरेश और बहू मनीषा के साथ भी मारपीट हुई। महेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि सुशील खोरे ने उनके सिर पर पत्थर मारा तथा राजकुमार ने उनकी बहू मनीषा पर लकड़ी से हमला किया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है।

कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल के लिए उठी बुलंद आवाज

मुस्लिम विकास परिषद के प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम/इटारसी/तवानगर। मध्य प्रदेश मुस्लिम विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद माहिर खान के इटारसी आगमन पर आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के दौरान तवा नगर मुस्लिम समाज की वर्षों पुरानी मांग प्रमुखता से उठाई गई। तवा नगर मुस्लिम विकास परिषद के मानसेवी अध्यक्ष बशारत खान ने प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष हाजी अथर खान का पुष्पहार पहनाकर भव्य स्वागत किया तथा तवा नगर कब्रिस्तान की बाउंड्री वॉल निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

अंजुमन स्कूल इटारसी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बशारत खान ने बताया कि तवा नगर कब्रिस्तान की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए बाउंड्री वॉल निर्माण की आवश्यकता लंबे समय

से महसूस की जा रही है। इस संबंध में रानीपुर ग्राम पंचायत की ग्रामसभा द्वारा प्रस्ताव पारित किया गया था। पंचायत सचिव एवं जनपद पंचायत के इंजीनियर द्वारा लगभग 250 मीटर क्षेत्र की नपती भी की जा चुकी है।जानकारी के अनुसार, सरपंच शिवनारायण धुर्वे ने कई बार वन मंडल अधिकारी नर्मदापुरम को पत्र लिखकर एवं व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर निर्माण की अनुमति मांगी, लेकिन अब तक अनुमति प्रदान नहीं की गई। सरपंच ने बताया कि तवा नगर में पंचायत द्वारा श्मशान घाट का निर्माण कराया जा चुका है, जबकि मुस्लिम समाज के 40 से 50 परिवार तवा बांध निर्माण के समय से यहां निवासरत हैं और पिछले 60 से 70 वर्षों से इसी कब्रिस्तान में अपने परिजनों को दफनाते आ रहे हैं।बाउंड्री वॉल नहीं होने से कब्रिस्तान की सुरक्षा एवं रखरखाव में लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या के समाधान के लिए मुस्लिम समाज ने प्रदेश अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र अनुमति दिलाने की मांग की। साथ ही पंचायत द्वारा किए गए पत्राचार की प्रतियां भी उन्हें उपलब्ध कराई गईं।इस पर प्रांतीय अध्यक्ष हाजी मोहम्मद माहिर खान एवं जिला अध्यक्ष हाजी अथर खान ने समाज की मांग को उचित बताते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक अनुमति दिलाने का आश्वासन दिया।कार्यक्रम में परिषद के जिला पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष नगर अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पुलिस की अवैध सट्टे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक दर्जन से ज्यादा सटोरिए गिरफ्तार

एक लाख 28 हजार रुपये नगद सहित सट्टा सामग्री एवं 3 कीमती मोबाइल फोन जब्त

नर्मदापुरम/जिले के पुलिस कप्तान साई कृष्णा एस थोटा के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी जितेंद्र पाठक के कुशल नेतृत्व में कोतवाली टी आई गौरव सिंह बुंदेला और उनकी टीम ने नगर में चल रहे सट्टे के अवैध कारोबार में सेंध लगाते हुए एक दर्जन से ज्यादा सटोरियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में एस डी ओ पी जितेंद्र पाठक ने बताया कि पुलिस टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर सट्टा खिलाने और खेलने वाले 14 लोगों को गिरफ्तार किया।

जिसमें सब्जी मंडी, मीनाक्षी चौक के पास, बालागंज, जय स्तंभ चौक, गुप्ता ग्राउंड के पास और बंगाली कॉलोनी क्षेत्र में पुलिस टीमों ने दबिश देकर एक दर्जन से ज्यादा सटोरियों को

गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की।आरोपियों के विरुद्ध धारा 4(क) द्यूत अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है।

वहीं पूर्व से रिकॉर्डशुदा आरोपियों के विरुद्ध पृथक से धारा 170 बीएनएसएस के अंतर्गत भी कार्रवाई की गई।पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 28 हजार रुपये नगद, सट्टा सामग्री और 85 हजार रुपये कीमत के 3 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त मशरूका की कुल कीमत 2 लाख 13 हजार रुपये बताई गई है।इस दौरान सटोरिया प्रीतम जाटव, दयाचंद उर्फ करण, रमनलाल जाटव, राजकुमार कहार,शंकर वर्मा, शिव नारायण वाथरे, राजेश कहार, जय किशन अग्रवाल,सतीश केवट, सालिक राम कीर, मोहम्मद यूसुफ और रोशन कहार सहित अन्य कुछ लोगों को गिरफ्तार कर करवाई की गई है।उक्त कार्रवाई में कार्रवाई में निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला, उप निरीक्षक हेमंत निशोद, उप निरीक्षक विशाल नागवे, उप निरीक्षक वंशज श्रीवास्तव, प्रधान आरक्षक रीतेश यदुवंशी, प्रधान आरक्षक इमरत सिंह सहित आरक्षक हरीश, अविनाशी, पंकज, गजेन्द्र, पंकेश, आनंद, भिक्कू, मनीष, संतोष, रोहित, रामकुमार, धर्मेन्द्र और राजकुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

यूपी में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार : मंत्री मनोज पांडे

नई दिल्ली/गाजियाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडे रविवार को गाजियाबाद के दौरे पर रहे. उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की. यूपी गेट से दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम तक रास्ते में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया गया. इस दौरान कैबिनेट मंत्री ने दावा किया कि 2027 में भाजपा तीसरी बार उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने जा रही है और आगामी दिनों में उत्तर प्रदेश के विपक्ष के कई सांसद अपनी पार्टी छोड़ने को लेकर निर्णय ले सकते हैं. कैबिनेट मंत्री ने सपा में टूट के दावे को लेकर कहा कि जितनी संख्या सोच रहे हैं, उससे ज्यादा विपक्ष के सांसद आएंगे. कैबिनेट मंत्री ने कहा, उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता पूर्ण रूप से तैयार है. 2017 और 2022 की तरह 2027 में भी उत्तर प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को अपना आशीर्वाद देने के लिए तत्पर है. 2017 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद उत्तर प्रदेश हर क्षेत्र में बेहतर हुआ है. रोड इंफ्रास्ट्रक्चर लगातार बढ़ रहा है, नए एक्सप्रेसवे बना रहे हैं. प्रत्येक प्रदेशवासी को सरकार की योजनाओं के तमाम लाभ मिल रहे हैं, यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में बहुत विश्वास रखते हैं, 2027 में प्रदेश की जनता तीसरी बार कमल खिलाने का काम करेगी. मनोज पांडे ने कहा कि आज देश की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के प्रति है. किसी पार्टी से किसी नेता को लाया नहीं जाता, ना ही तोड़ा जाता है. विपक्ष नहीं समझ पा रहा है कि देश की जनता क्या चाहती है. देश का अन्नदाता और नौजवान समेत हर वर्ग यह जानता है कि देश को प्रगति से जोड़ने और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार लगातार ठोस कदम उठा रही है।

मातोश्री पहुंचे डीके शिवकुमार, उद्धव ठाकरे से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ीं अटकलें

मुंबई, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के संकट मोचक कहे जाने वाले डीके शिवकुमार शनिवार देर रात को उद्धव ठाकरे से मिलने उनके घर मातोश्री पहुंचे। शिवसेना (यूबीटी) में जारी अंदरूनी संकट और 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चाओं के बीच इस मुलाकात ने महाराष्ट्र की राजनीति में नए सियासी समीकरणों को लेकर अटकलों का दौर तेज कर दिया है। डीके शिवकुमार की यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब उद्धव ठाकरे की पार्टी के छह लोकसभा सांसदों के बागी तेवर चर्चा में हैं। इन सांसदों के संसदीय दल की बैठक में शामिल नहीं होने के बाद पार्टी के भीतर बड़े विभाजन की आशंका जताई जा रही है। राजनीतिक गलियारों में इसे 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत की पुनरावृत्ति के रूप में देखा जा रहा है। डीके शिवकुमार ने की सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा मातोश्री में हुई इस मुलाकात के दौरान उद्धव ठाकरे की पत्नी रश्मि ठाकरे, युवासेना प्रमुख आदित्य ठाकरे और राज्यसभा सांसद संजय राउत भी मौजूद रहे। इस मुलाकात के बाद डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे और उनके परिवार के साथ गर्मजोशी भरी मुलाकात हुई और जनहित से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

बदलापुर में मुंबई-वडोदरा हाईवे पर भीषण हादसा

बदलापुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के बदलापुर के पास मुंबई-वडोदरा हाईवे पर रविवार तड़के एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। एक तेज रफ्तार लग्जरी BMW कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। इस भीषण दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में बीएमडब्ल्यू के ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बदलापुर पश्चिम पुलिस स्टेशन से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा रविवार (21 जून) तड़के करीब 2:39 बजे हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। चश्मदीदों और तस्वीरों का मंजर : दुर्घटना इतनी भीषण थी कि करोड़ों की BMW कार मलबे में तब्दील हो गई। कार के पुर्जे और टायर हाईवे पर दूर-दूर तक बिखर गए थे।

पंजाब में अगली सरकार भाजपा की बनेगी' लुधियाना से नितिन नवीन का आह्वान

लुधियाना (पंजाब), एजेंसी। आगामी पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी ने अपना अभियान शुरू कर दिया है. इसी क्रम में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को लुधियाना के अनाज मंडी में एक जनसभा को संबोधित किया गया. बीजेपी अध्यक्ष ने पंजाब की आप सरकार पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने दावा कि पंजाब में अगली सरकार भारतीय जनता पार्टी की बनेगी. उन्होंने कहा कि वे दो दिनों से पंजाब में हैं, जो गुरु गोबिंद सिंह जी, गुरु नानक देव जी की धरती है. उन्होंने कहा कि सेवा और त्याग इस राज्य की पहचान है, मैं पूरे संकल्प के साथ कहता हूं कि सिर्फ बीजेपी ही पंजाब का विकास करेगी क्योंकि पंजाब को कई नकली पार्टियों ने लूटा है. नितिन नवीन ने कहा कि 'बीजेपी हर गांव जाएगी और विकास योजनाओं के बारे में बताएगी. जहां भी हमारी सरकार बनी, वहां विकास हुआ; पीएम मोदी पंजाब के लोगों के दिलों में बसते हैं. उन्होंने हमेशा गुरुओं का सम्मान किया है, आज हमें यह संकल्प लेने की जरूरत है कि हम लोगों से जुड़ें; पंजाब बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित रहा है. बिहार के लोग काम के लिए पंजाब आते थे, चाहे खेती हो या उद्योग, आज यह सब अंधेरे में चला गया है. आज पंजाब के लोगों को लगता है कि पंजाब में मौजूदा सरकार को सत्ता से हटा देना चाहिए.' आप सरकार पर निशाना साधते हुए बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, 'पंजाब के लोगों ने नहीं सोचा था कि यह सरकार उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करती रहेगी. मैं पंजाब के लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या आपको नहीं लगता कि इस सरकार को बाहर कर देना चाहिए? क्या आपको नहीं लगता कि इस सरकार को सत्ता से बाहर कर देना चाहिए और अब वह समय आ गया है? इससे पहले, पंजाब बीजेपी के अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने मोदी सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि 'केंद्र सरकार सिर्फ उन फसलों के लिए पैसा भेज रही है जिन पर एमएसपी दिया जा रहा है. तभी धान और गेहूं की खरीद होती है. केंद्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के लिए अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा भेजे जा चुके हैं. मौजूदा सरकार ने इसमें से कितना खर्च किया है, यह एक बड़ा सवाल है. नरेंद्र मोदी पंजाब को लेकर चिंतित हैं. रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी नेता सुनील जाखड़ ने कहा कि हिंदू-सिख समुदाय को खत्म करने की कोशिश की जा रही है. 1997 में जब वाजपेयी जी ने अकाली दल के साथ गठबंधन किया था, तो वह एक सामाजिक गठबंधन था. आज 'काले अंग्रेज' पंजाब को फिर से बांटने की कोशिश कर रहे हैं. कुछ देर पहले अश्विनी जी ने कहा था कि पंजाब में कमल खिलेगा, लेकिन कमल हमेशा कीचड़ में ही खिलता है और सरकारों ने पंजाब को कीचड़ बना दिया है.'

बिट्टू ने विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई : इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कहा कि 'पंजाब को बीजेपी सरकार की जरूरत है. मैं पंजाब के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि अगर वे पंजाब की तरक्की चाहते हैं, तो उन्हें बीजेपी को जरूर मौका देना चाहिए. अगर मौका मिला, तो वे पंजाब की सेवा के लिए आने वाले विधानसभा चुनाव में जरूर हिस्सा लेंगे. आम आदमी पार्टी की सरकार ने कई वादे किए थे. वे अभी तक पूरे नहीं हुए हैं.

बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन पंजाब के दौरे पर हैं. वह शनिवार को अमृतसर थे. रविवार को वह लुधियाना पहुंचे. पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जालंधर बाईपास पर उनका ज़ोरदार स्वागत किया. इसके बाद, नितिन नवीन ने लुधियाना बीजेपी दफ्तर में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

कश्मीर की राजनीति में नया मोड़, इंजीनियर रशीद छोड़ेंगे सांसद पद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की बारामूला लोकसभा सीट से सांसद और जेल में बंद इंजीनियर रशीद ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। उनका कहना है कि वह अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों की समस्याओं और जरूरतों पर प्रभावी ढंग से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं।

हालांकि, उनकी पार्टी अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने इस मुद्दे पर अंतिम फैसला लेने से पहले जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं से राय लेने का निर्णय किया है। एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी द्वारा जारी बयान के अनुसार, पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने इस विषय पर विस्तृत चर्चा की। समिति ने तय किया कि बारामूला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 18 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी पदाधिकारियों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से व्यापक परामर्श किया जाएगा।

क्यों सांसद पद छोड़ना चाहते हैं रशीद : बयान में कहा गया कि इंजीनियर रशीद ने अपनी संसदीय जिम्मेदारियों का निर्वहन करने और मतदाताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचने में असमर्थता जताई है। इसी कारण उन्होंने सांसद पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त की है। इस पर पार्टी ने दो दिवसीय परामर्श प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है, जिसमें यह राय ली जाएगी कि उन्हें सांसद बने रहना चाहिए या पद छोड़ देना चाहिए। पार्टी ने यह भी संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर कार्यकर्ताओं के बीच गुप्त मतदान (सीक्रेट बैलेट) कराया जा सकता है, ताकि सभी सदस्य बिना किसी दबाव के अपनी राय व्यक्त कर सकें। एआईपी के अनुसार, पंचायत और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी आम जनता तथा समाज के विभिन्न वर्गों से भी संवाद करेंगे और उनकी राय एकत्र करेंगे। पार्टी का कहना है कि अंतिम निर्णय जनता की भावनाओं और उन मतदाताओं की इच्छाओं के अनुरूप होगा, जिन्होंने इंजीनियर रशीद और पार्टी पर भरोसा जताया था। प्रवक्ता ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया और संभावित मतदान के नतीजों से इंजीनियर रशीद को औपचारिक रूप से अवगत कराया जाएगा, ताकि वह सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्णय ले सकें। एआईपी ने दोहराया कि वह आंतरिक लोकतंत्र और जन-जवाबदेही के सिद्धांतों में विश्वास रखती है तथा महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता की सामूहिक राय के आधार पर लिए जाने चाहिए। पार्टी का मानना है कि यह परामर्श प्रक्रिया इंजीनियर रशीद के संसदीय भविष्य को लेकर आगे की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और अंतिम निर्णय में कार्यकर्ताओं तथा मतदाताओं की आवाज को सर्वोच्च महत्व दिया जाएगा।

ऑपरेशन टाइगर के बीच आदित्य ठाकरे का आरोप

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के बागी सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में जाने से पहले उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर बड़ा प्रहार किया है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि वे यूबीटी के सांसदों और विधायकों को तोड़ रहे हैं क्योंकि वो बाबा साहेब का संविधान बदलना चाहते हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि मतदाताओं ने साल 2024 में उन्हें ऐसा करने से रोक दिया था और उन्हें सिर्फ 240 सांसद मिले थे लेकिन अब वो पार्टियों को तोडकर इस काम को अंजाम देना चाहते हैं। उनका मुख्य उद्देश्य संविधान को बदलना है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि भाजपा देश में दंगे करवा सकती है, अफरा-तफरी मचा सकती है और प्रचार कर सकती है, लेकिन एक बात पक्की है कि भाजपा को सरकार चलाना नहीं आता। हम मुंबई की बीएमसी और पुणे की पीएमसी में यह देख रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के सभी जन-प्रतिनिधियों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए फंड नहीं मिल रहा है। वोट देने वालों को कई अहमियत नहीं बची महाराष्ट्र में सपा के विधायक अबू आजमी ने ऑपरेशन टाइगर पर कहा कि यह बहुत गलत तरीका है। इसमें वोटर की कोई अहमियत नहीं रह जाती।

घर पर कंपोस्ट तैयार करते समय ना करें ये गलतियां

आर्गेनिक कंपोस्ट को प्लांट के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसलिए अधिकतर लोग घर पर ही कंपोस्ट तैयार करते हैं। हालांकि, इस दौरान आपको कुछ छोटी-छोटी गलतियों से बचना चाहिए।

जब प्लांट की केयर करते समय उसमें खाद मिलाई जाती है तो यह मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाती है। इससे उसमें पोषक तत्व बहाल होते हैं और प्लांट ग्रोथ पर पॉजिटिव असर पड़ता है। यूं तो आपको मार्केट में भी खाद आसानी से मिल जाती है, लेकिन घर पर खाद बनाना अधिक बेहतर उपाय माना जाता है। इससे ना केवल लैंडफिल के कचरे को कम करने में मदद मिलती है, बल्कि यह पॉकेट फ्रेंडली भी है। इतना ही नहीं, फल व सब्जियों के छिलकों से बनी खाद प्लांट के लिए अधिक बेहतर मानी जाती है। यूं तो खाद बनाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन फिर भी इस दौरान कुछ बातों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। अमूमन घर पर खाद तैयार करते समय लोग कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

एयरेशन पर ध्यान ना देना

खाद बनाने के लिए ऑक्सीजन की बेहद जरूरी होती है। अन्यथा खाद बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री डिकंपोस्ट नहीं होती है। जब आप को नियमित रूप से पलटते नहीं हैं या फिर पर्याप्त हवा न होने की स्थिति में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है, जिससे खाद बनाने की प्रक्रिया एयरेशन की कमी हो जाती है। इससे खाद में अजीब सी स्मेल आती है।

मैटीरियल को छोटे-छोटे टुकड़ों में ना तोड़ना

कुछ लोग खाद बनाते समय सामग्री को सीधे ही कंपोस्ट बिन में डाल देते हैं। यह एक ऐसी गलती है, जो खाद बनने के प्रोसेस को काफी धीमा कर देती है। दरअसल, छोटे पार्टिकल्स तेजी से डिकंपोज होते हैं। अगर आपकी सामग्री के टुकड़े बड़े हैं तो इससे खाद बनने में आवश्यकता से बहुत अधिक समय लग सकता है।

ऐसे रखें अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल

लगातार जॉब सर्च करना काफी थका देने वाला होता है। कई बार इसकी वजह से आपकी मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। लेकिन कुछ छोटे-छोटे टिप्स अपनाकर आप अपनी मेंटल हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। जॉब हमें एक फाइनेंशियल स्टेबिलिटी प्रदान करता है, इसलिए हम सभी एक अच्छी जॉब पाने के लिए कोशिश करते हैं। हालांकि, जब लगातार जॉब सर्च करने के बाद भी हमें जॉब नहीं मिलती है तो इससे ना केवल वित्तीय बोझ बढ़ जाता है, बल्कि इससे मेंटल हेल्थ पर भी नेगेटिव असर देखने को मिलता है।

जब बार-बार कोशिश करने के बाद भी हमें अच्छी जॉब नहीं मिलती है तो इससे हम काफी परेशान हो जाते हैं। ऐसे में मन में सिर्फ नेगेटिव ख्याल ही आते हैं। जब हम लगातार नेगेटिव बातें सोचते हैं तो इससे मेंटल हेल्थ बहुत अधिक इफेक्ट होती है। हालांकि, अगर आप कुछ आसान छोटे-छोटे आसान उपाय अपनाते हैं तो ऐसे में इस नेगेटिविटी के बीच भी आपको अपनी मेंटल हेल्थ को बनाए रखने में मदद मिल सकती है-

सेट करें रूटीन

जॉब ना मिलने और लगातार जॉब सर्च करने के दौरान जब मन में नेगेटिविटी बढ़ने लगती है तो उसे दूर करने का एक आसान तरीका होता है कि आप अपने दिन का एक रूटीन सेट करें। जिसमें आप जॉब सर्चिंग के अलावा सेल्फ केयर एक्टिविटीज जैसे एक्सरसाइज या फिर हॉबीज आदि को थोड़ा समय दें। जब आप अपनी दिनचर्या में उन चीजों को भी शामिल करते हैं, जिनसे आपको खुशी मिलती है तो इससे मन को काफी अच्छा लगता है और मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

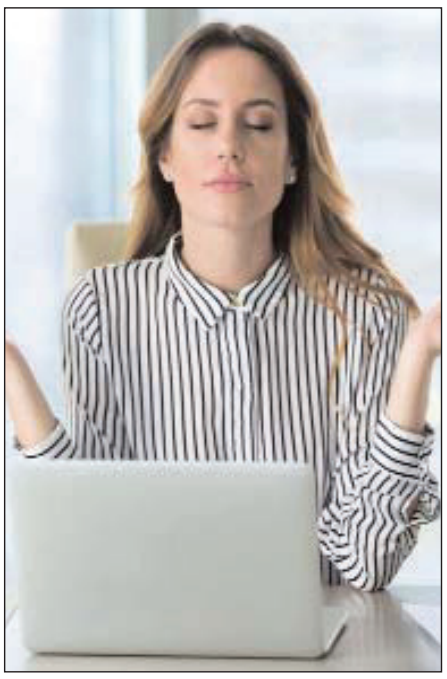

फैमिली से लें सपोर्ट

आपको यह समझना चाहिए कि दुनिया में आप अकेले नहीं है, जो इस तरह की स्थिति से गुजर रहा हो। ऐसे में अपने मन की नेगेटिविटी को दूर करने के लिए आप फैमिली, दोस्त या फिर किसी करीबी की मदद लें। आप उनसे अपने मन की परेशानी शेयर करें। जब आप ऐसा करते हैं तो इससे आपका मन काफी हल्का हो जाता है और आप काफी रिलैक्स महसूस करते हैं।

नेटवर्किंग की लें मदद

अगर लगातार सर्च करने के बाद भी आपको जॉब नहीं मिल रही है, तो ऐसे में आपको नेटवर्किंग की मदद लेनी चाहिए। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी खास फील्ड में ही मंदी आती है। ऐसे में उस फील्ड से जुड़े लोगों को अच्छी जॉब मिलने में परेशानी होती है। इसलिए, जब आप अपनी फील्ड के प्रोफेशनल्स से जुड़ते हैं तो इससे आपको स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है और इस तरह आप अधिक बेहतर तरीके से स्थिति को समझ पाते हैं। जिससे आपके मन की नेगेटिविटी भी दूर होती है।

सेट करें रियलिस्टिक गोल्स

जॉब ढूंढना और उसे हासिल करना किसी जंग से कम नहीं है। शायद यही कारण है कि इस जर्नी में अक्सर लोगों को काफी निराशा होती है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि आप कुछ रियलिस्टिक गोल्स सेट करें और थोड़ा सब्र भी करें। जब आप जॉब के लिए अप्लाई करते हैं तो तुरंत रिप्लाई की उम्मीद ना करें। साथ ही साथ, एक ही कंपनी में अप्लाई करने की जगह आप अलग-अलग कंपनियों में आवेदन करें। इससे आपको जॉब मिलने के चांसेस कई गुना बढ़ जाते हैं और आपके मन की निराशा भी दूर होती है।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

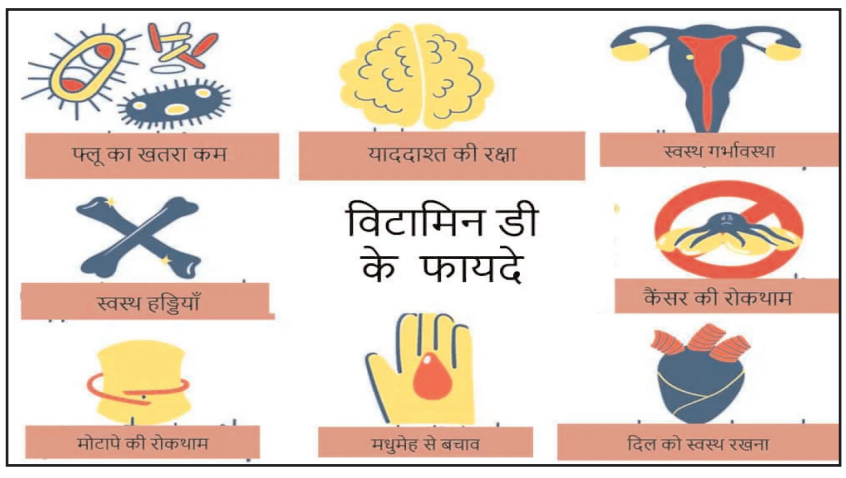

खेलते-खेलते पानी की टंकी में गिरी 4 साल की बच्ची, अस्पताल में तोड़ा दम

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में सोमवार को पानी की टंकी में डूबने से 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। यह घटना कुपवाड़ा के रेनन क्रालगुंड इलाके में हुई। मृतक बच्ची की पहचान जाविद इकबाल लोन की बेटी 4 साल की सिबरा जाविद के तौर पर हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बच्ची अपने घर के पास खेलते समय दोपहर में पानी की टंकी के अंदर गिर गई थी। घटना के बाद परिवार के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे, बच्ची को टंकी से बाहर निकाला और उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) हंदवाड़ा ले गए। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इस घटना से परिवार सदमे और शोक में है। वहीं, पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है और जरूरी कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को बच्ची की दुखद मौत से पहले बारामूला जिले में एक रिटायर्ड पुलिस अधिकारी और उनके बेटे की मौत हुई थी। वहीं, राजारवानी में हुए एक हादसे में ड्राइवर, 25 साल के सैयद इम्तियाज हुसैन शाह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पिता, 68 साल के सैयद अहमद शाह (सैयद आलम हुसैन शाह के बेटे और पुलिस के रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर) गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए तुरंत सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल उरी ले जाया गया।

हालांकि, बाद में चोटों के कारण उनकी भी मौत हो गई, जिससे इस हादसे में मरने वालों की संख्या दो हो गई। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और हादसे की वजहों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी जिलों में सड़क हादसे मुख्य रूप से तेज रफ्तार, रोड रेज, ओवरटेकिंग या खराब सड़कों की वजह से होते हैं।

7 माह की गर्भवती महिला ने की आत्महत्या, पति पर प्रताड़ना के आरोप

उत्तर प्रदेश। सहारनपुर जिले में थाना देहात कोतवाली क्षेत्र की आजाद कॉलोनी में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 7 माह की गर्भवती महिला ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। महिला की पहचान 30 वर्षीय सएबा पत्नी शारिक के रूप में हुई है, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह अपने पीछे करीब 2 साल के बेटे को छोड़ गई है, जिससे परिवार में गहरा शोक है।

परिजनों ने इस मामले में पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतका के चाचा शाहिद अहमद के अनुसार, सएबा की शादी लगभग 5 साल पहले हुई थी और उसके पति द्वारा लगातार मारपीट की जाती थी। परिजनों का आरोप है कि पति के अन्य महिलाओं से संबंध थे और विरोध करने पर उसे प्रताड़ित किया जाता था।

परिवार के अनुसार, पिछले तीन महीनों से घर में लगातार विवाद चल रहा था। चार दिन पहले भी डायल 112 पुलिस टीम महिला को उसके ससुराल छोड़कर गई थी। मृतका की मां गुलनाज ने बेटी के लिए न्याय की मांग की है और मामले की निष्पक्ष जांच की अपील की है। पुलिस के अनुसार, 20 जून की रात सूचना मिली थी कि महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया है, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एएसपी मनोज यादव ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कबाड़ बीनने निकली किशोरी के साथ रेप, दो दरिंदे गिरफ्तार

महाराष्ट्र। मुंबई से सटे थाणे से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है। एक 15 साल की लड़की के साथ दुराचार करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पड़ोसियों की सतर्कता से बच्ची की जान बच सकी और दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। मामला ठाणे के कल्याण इलाके का है। दो आरोपियों पर आरोप है कि वह एक 15 साल की नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर अपने घर ले गए और फिर उसके साथ रेप किया। पड़ोसियों ने जब बच्ची के रोने की आवाज सुनी तो उन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को इनके चंगुल से बचाया। ठाणे की कोलसेवाड़ी पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अख्तर मनियार और सलीम शेख के तौर पर हुई है। आरोपी अख्तर मनियार कल्याण में चाय की दुकान चलाता है, जबकि दूसरा आरोपी शेख ऑटो रिक्शा चालक है। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग पीड़िता कबाड़ बीनने का काम करती है। अख्तर मनियार ने इस नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर अपने घर पर बुलाया। जब पीड़िता उसके घर के अंदर आ गई तो उसने अपने दोस्त सलीम शेख को भी बुलाया। इसके बाद दोनों ने मिलकर बच्ची के साथ यौन उत्पीड़न किया.

एटीएस का बड़ा एक्शन- जैश-ए-मोहम्मद के कथित स्लीपर सेल से जुड़ी महिला गिरफ्तार

जयपुर। आतंकवाद विरोधी एक बड़े अभियान में राजस्थान आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने सैन्य खुफिया विभाग (एमआई) से मिली जानकारी के आधार पर जैशा-ए-मोहम्मद (जेईएम) से जुड़े एक स्लीपर सेल से कथित तौर पर जुड़ी एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बबीता धाकड़ के रूप में हुई है, जो कथित तौर पर खदीजा उपनाम का इस्तेमाल करती थी। उसे जयपुर में गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, बबीता कथित तौर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप्लिकेशन के माध्यम से पाकिस्तानी आतंकवादी संचालकों के संपर्क में थी। जांचकर्ताओं का मानना है कि यह मामला महिलाओं को निशाना बनाकर कट्टरता और भर्ती के बदलते तरीकों को उजागर करता है।बबीता धाकड़ राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की रहने वाली है। जांच के दौरान, सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर पाया कि वह उन ऑनलाइन समूहों और प्रोफाइलों के संपर्क में आई थी, जिन पर चरमपंथी विचारधारा को बढ़ावा देने और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का संदेह था। जांचकर्ताओं का आरोप है कि पाकिस्तानी संचालकों ने भारत-विरोधी प्रचार सामग्री और वीडियो के माध्यम से उसे व्यापक ऑनलाइन विचारधारा का शिकार बनाया। अधिकारियों का दावा है कि इन नेटवर्कों से प्रभावित होने के बाद, उसने %खदीजा% नाम अपना लिया और कथित तौर पर जैश-ए-मोहम्मद के स्लीपर सेल से जुड़ी गतिविधियों में शामिल हो गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से बरामद मोबाइल फोन और डिजिटल उपकरणों के फोरेंसिक विश्लेषण से प्रमुख आतंकवादी घटनाओं में शामिल व्यक्तियों से जुड़े नेटवर्कों से कथित संबंध सामने आए हैं। जांचकर्ताओं का दावा है कि आरोपी के संपर्क और संचार रिकॉर्ड में जैश-ए-मोहम्मद कमांडर कारी जरार के नेटवर्क से जुड़े नंबर मिले हैं। कारी जरार का नाम जम्मू-कश्मीर के 2016 के नगरोटा सेना शिविर हमले के संबंध में सामने आया है। अधिकारियों ने जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मसूद अजहर के रिश्तेदार यूसुफ अजहर उर्फ ??गोरी से जुड़े व्यक्तियों के भी संबंध पाए हैं। यूसुफ अजहर पर 1999 में इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण में संलिप्तता का आरोप है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, जांच में जैश-ए-मोहम्मद की एक नई रणनीति का खुलासा हुआ है, जिसमें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाओं की भर्ती और उन्हें कट्टरपंथी बनाना शामिल है। अधिकारियों का आरोप है कि संगठन %जमात-उल-मुमिनात% नामक एक महिला विंग चला रहा है, जिसका उद्देश्य महिलाओं और युवा लड़कियों की पहचान करना, उन्हें प्रभावित करना और स्लीपर सेल के सदस्यों के रूप में भर्ती करना है।

जेल में बिगड़ी हालत, देह व्यापार मामले में बंद कैदी की मौत

उत्तर प्रदेश। कानपुर जेल में बंद एक विचाराधीन कैदी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिससे जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है। मृतक को देह व्यापार रैकेट से जुड़े मामले में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया था। मृतक की पहचान 52 वर्षीय अंबिका सिंह के रूप में हुई है, जो हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के खाड़ेपुर कर्रही के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार रविवार देर शाम उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

पुलिस और जेल प्रशासन के अनुसार अंबिका सिंह को 16 मई को रावतपुर पुलिस ने कथित सेक्स रैकेट मामले में गिरफ्तार किया था। शुरुआती जानकारी में यह भी सामने आया है कि वह लंबे समय से शराब के आदी थे, जिससे उनका लिवर प्रभावित हुआ था और स्वास्थ्य लगातार खराब चल रहा था। जेल अधिकारियों ने बताया कि जेल में आने से पहले भी उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और शराब सेवन की वजह से कई स्वास्थ्य समस्याएं थीं। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। परिवार की स्थिति की बात करें तो अंबिका सिंह की पत्नी का पहले ही निधन हो चुका था और उनके दो बेटे नौकरी के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहते हैं। परिवार ने भी बताया कि पिता से उनका संपर्क सीमित था। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। जेल प्रशासन ने भी आंतरिक रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नाजिया इलाही खान पर

महाराष्ट्र। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नाजिया इलाही खान के खिलाफ महाराष्ट्र में दो अलग-अलग थानों में शिकायतें दर्ज की गई हैं। आरोप है कि उनके एक बयान से मुस्लिम धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। जानकारी के अनुसार, भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सोशल मीडिया बयान से जुड़ा है।

इसी बीच, मुंबई के पायधुनी पुलिस स्टेशन में भी ऋड्ढ5ड्ड ष्ड्डस्रद्गद्व4 के सदस्यों ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नाजिया इलाही खान ने पैगंबर से जुड़े कथित आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं, जिससे समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन ने पुलिस से इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायतों की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया पोस्ट और बयान की तकनीकी जांच भी की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट किया जा सके कि टिप्पणियों की प्रकृति क्या थी और क्या वे कानून के दायरे में आती हैं। इस घटना के बाद इलाके में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने निगरानी बढ़ा दी है। फिलहाल दोनों थानों की टीमें मामले की जांच में जुटी हुई हैं।

चलने-फिरने में असमर्थ बुजुर्ग महिला के साथ रेप का प्रयास

यूपी। मेरठ में बुजुर्ग महिला से रेप की कोशिश की गई। महिला के ही कमरे में घुसकर बंधक बनाया फिर उनसे जबरदस्ती की गई, कपड़े फाड़े और मारपीट भी की गई। महिला ने पुलिस से इस बारे में शिकायत की तो पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि 80 साल की बुजुर्ग महिला को बंधक बनाकर रेप का प्रयास किया गया। वारदात को 20 जून की देर रात लावड़ क्षेत्र में अंजाम दिया गया। पीड़िता ने एसएसपी मेरठ के कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। प्रकरण में जांच और कार्रवाई के लिए सीओ और थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की जांच भी की जा रही है।

इंचौली क्षेत्र के एक जूनियर हाईस्कूल पर 80 साल की बुजुर्ग महिला रहती है। इन्हें स्कूल प्रबंधन ने रहने के लिए एक क्वार्टर दिया है, ताकि उन्हें कहीं भटकना न पड़े। वह स्कूल की रात को देखभाल भी कर लेती हैं। पीड़िता सोमवार को अधिवक्ता अलराज सिंह के साथ एसएसपी कार्यालय पहुंची। बताया कि 20 जून की रात स्कूल पर ही अपने कमरे में थी। इस दौरान देर रात कोई संदिग्ध दीवार कूदकर अंदर आया और उन्हें बंधक बनाकर रेप का प्रयास किया। कपड़े फाड़ दिए और मारपीट की गई। इंचौली थाने में इस मामले में सूचना दी थी, जिसके बाद कार्रवाई नहीं की गई।

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)